खबर संक्षेप

मानसून सक्रिय ना होने से लोग हो रहे बैचेन, रपटा घाट में बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

मण्डला। इस वर्ष गर्मी अपने पूरे चरम पर है, ग्रीष्मकाल में गर्मी ने सारे रिकार्ड तोड़ते हुए लोगों को बैचन कर दिया। सूर्यदेव भी अपनी प्रचंडता से लोगों को हलाकान किये। अप्रैल, मई में तेज गर्मी और उमस के कारण जहां लोग इससे निजात पाने तरह तरह के जतन करते दिखाई दिए, वहीं नर्मदा घाटों में भी लोगों की भीड़ रोजाना देखी गई। चिलचिलाती गर्मी से लोगों ने नर्मदा नदी में स्नान करके सुकून तो मिल रहा था, लेकिन बाहर निकलते ही गर्मी से हाल बेहाल हो रहे थे। जून का दूसरा पखवाड़ा चल रहा है, लेकिन मानसून अभी सक्रिय नहीं हुआ है। जिसके कारण उमस और गर्मी ने लोगों को बैचन कर दिया है। जानकारी अनुसार इस उमस भरी गर्मी ने लोगों के दिन का चैन और रातों की नींद उड़ा दी है। उमस वाली गर्मी लोगो को बैचन कर रही है। जिससे राहत नहीं मिल पारही है। जून का दूसरा पखवाड़ा समाप्त होने को है, लेकिन झमाझम बारिश शुरू नहीं होने से लोगों के हाल बेहाल हो गए है। इस उमस भरी गर्मी से राहत पाने लोग नर्मदा घाटों में भीड़ बढ़ गई है। विगत दिनों से सुबह होते ही नर्मदा घटों में लोगों का हुजूम लग रहा है। जिसमें बच्चों की संख्या अधिक है। नर्मदा घाट स्नान करने वालों ने बताया कि गर्मी समाप्त होने के बाद भी उमस पीछा नहीं छोड़ रही है। उमस वाली गर्मी इतनी असहनीय हो गई है कि नर्मदा नदी का सहारा लेना पड़ रहा है। जबकि जिले का अधिकतम तापमान भी 40 डिग्री के नीचे पहुंच चुका है, बावजूद इसके उमस भरी गर्मी से निजात नहीं मिल पा रही है। शहर के रपटा घाट समेत अन्य घाटों में बड़ी संख्या में लोगो की भीड़ सुबह शाम देखने को मिल रही है। लोग सुबह 7 बजे से नर्मदा नदी में स्नान करने पहुंच रहे हैं।

खरीफ फसल की तैयारी में जुटे किसान, रोपा हो रहे तैयार

162 हजार हे. में होगी धान की बोवनी

*** इस वर्ष जिले में 230.62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसल की होगी बोवनी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मानसून की दस्तक से पूर्व किसान खेतों को खरीफ फसल बोवनी के लिए तैयार करने में जुट है। प्री-मानसून आ चुका है, जिसे देखते हुए कृषक जीन जान से खेतों को सुधारने में लगे हुए है। इस वर्ष जिले में 230.62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसल की बोवनी होगी। इस बार मौसम विभाग ने बारिश समय से और पूरी होने की संभावना जताई है। फिलहाल खेतों में साफ-सफाई करने के साथ खेतों को बोवनी योग्य बनाने का काम चल रहा है। किसानों ने गुणवत्तापूर्वक खेती के लिए कृषि विभाग से संपर्क करना भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही कुछ किसानों ने खेतों में रोपा तैयार करने बीज लगा दिए है। जिससे आगामी झमाझम बारिश होने के बाद इन तैयार रोपों को खेतों में लगाएंगे।

जानकारी अनुसार प्री मानसून बारिश के साथ ही किसान खेतों में दिखाई दे रहे है। किसानों का पूरा दिन खेत में ही बीत रहा है। खेत की सफाई हो या बोवनी का कार्य, बीज और खाद की व्यवस्था करने में भी किसान व्यस्त नजर आ रहे हैं। प्री-मानसून की बारिश ने क्षेत्र को तरबतर तो कर दिया है। अब मानसून सक्रिय होने का किसान इंतजार कर रहे है। प्री-मानसून का फायदा किसानों को तो मिला है। जिससे किसान खरीफ फसलों की बुआई की तैयारी में जुटे है।

बताया गया कि इस वर्ष खरीफ फसल का प्रस्तावित रकबा 230.62 हजार हेक्टेयर है। इसमें धान, कोदो-कुटकी, मक्का अधिक क्षेत्र वाली फसलें हैं। वहीं उड़द, अरहर, रामतिल आदि की फसल भी किसान लेते हैं। हालांकि इनका रकबा अधिक नहीं होता। कोदो-कुटकी का इस बार 32 हजार हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है। मक्का 16 हजार हेक्टेयर में होनी है। इसके साथ ही अरहर 9 हजार, मूंग 0.80 हजार, उड़द 3 हजार हेक्टेयर की जानी है। मानसून सक्रिय होने के साथ ही बोवनी कार्य ने भी तेजी आ जाएगी।

किसानों ने की रोपा की तैयारी

किसानों ने बताया कि रोपा के लिए खार तैयार की जा रही है। अच्छी बारिश के साथ ही कुछ दिन बाद रोपा लगना शुरू हो जाएगा। वर्तमान में अधिकतर किसान खेतों पर नजर आ रहे हैं। इनमें विशेष रूप से साधन विहीन व भगवान भरोसे खेती करने वाले किसान खोर्रा बोनी में भी व्यस्त हैं। स्थिति यह है कि किसानों को स्थानीय स्तर पर जो भी सुविधा मिल रही है वे उसका उपयोग कर तुरंत बोनी के कार्य को निपटाने में लग गए हैं। वहीं एक साथ इस कार्य में किसानों के जुटने के कारण क्षेत्र में ट्रैक्टर व आधुनिक उपकरणों की डिमांड बढ़ गई है। जबकि वनांचल क्षेत्रों में अब भी परंपरागत नांगर जैसे उपकरण का उपयोग कर बोनी के कार्य समेत खेतों को सुधारने में किसान सपरिवार जुट गए हैं।

जैविक खाद डालकर खेत करें तैयार

जिले में धान के बीज प्राथमिक सेवा सहकारी समितियों में भण्डार कराया जा रहा है। किसानों से कहां गया है कि जो किसान अपने घरू बीज का उपयोग कर रहे हैं, वह बीज की साफ सफाई, अकुंरण परीक्षण और बीज उपचार करके ही खेत में बोवनी करें। इसके साथ ही किसानों को खेत में जैविक खाद प्रति हेक्टेयर 10-12 टन की दर से डालकर खेत को तैयार करने की सलाह दी गई है। किसानों से कहां गया है कि अगर नीम की नीबोली उपलब्ध है तो प्रति हेक्टेयर 25 किलोग्राम की दर से खेत में डाल कर मिट्टी में मिला दें। इसके बाद फसल की बुवाई करें। इससे दीमक, कीड़े की लारवा नष्ट हो जाते हैं।

ऐसे करें खेत को तैयार

बताया गया कि बारिश और आगामी मानसून की संभावना को ध्यान में रखते हुए किसान खरीफ के पूर्व तैयारी शुरू कर दी है। इस साल समय पर मानसून आने की संभावना है। किसानों को सलाह दी गई है कि सभी किसान खरीफ फसल से संबंधित अपनी तैयारियों में अवश्य ध्यान दें। किसानों को खेत की गहरी जुताई, उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से दो-तीन वर्ष में गहरी जुताई करना लाभप्रद होता है। जिन किसानों ने खेत की गहरी जुताई नहीं की हो तो वे किसान गहरी जुताई कर ले। उसके बाद बक्खर, कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत तैयार करें।

बाल श्रम एवं बंधक श्रम उन्मूलन के लिए बनाएं प्रभावी कार्ययोजना-श्रेयांश कूमट

*** जिला टॉस्कफोर्स एवं जिला सतर्कता समिति की बैठक संपन्न।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट की अध्यक्षता में जिला टॉस्कफोर्स की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान को स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवियों के समन्वय से संचालित करते हुए वातावरण तैयार करें। इस संबंध में विभिन्न सामाजिक तथा स्वयंसेवी संगठनों का भी सहयोग प्राप्त करें। हॉटस्पॉट का चिन्हांकन करते हुए आवश्यक कार्यवाही करें। स्कूल तथा कॉलेज के आसपास सतत नजर रखें। सुनिश्चित करें कि शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास ड्रग्स, तम्बाखू सहित किसी भी प्रकार की नशीले पदार्थों का विक्रय नहीं होना चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी औषधि निरीक्षक को निर्देशित करें कि दवा दुकानों में नशीली दवाएं कितनी मात्रा में हैं और यह दवाएं बिना चिकित्सीय परामर्श के दी तो नहीं जा रही हैं इसकी भी आकस्मिक जांच करें।

सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने निर्देशित किया कि रेल्वे स्टेशन के आसपास बालश्रम एवं भिक्षावृति रोकने, गाड़ी सुधारने वाले मैकेनिक की दुकानों में, ढाबा एवं छोटी दुकानों तथा उद्योग आदि में काम करने वाले बाल मजदूरों को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। बंधक श्रम के लिए श्रम विभाग को पंचायत एवं पुलिस विभाग से समन्वय करने के निर्देश दिए तथा अन्य जिले एवं अन्य प्रदेश में कार्यरत ऐसे श्रमिक जो बंधक श्रमिक के रूप में कार्य कर रहे हैं, उन्हें तत्काल मुक्त कराकर उनके पुर्नवास की कार्यवाही करें। संबंधित विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास क्षमा सराफ, श्रम अधिकारी श्री जैन, सीएमओ गजानंद नाफडे, जिला व्यापार एवं उद्योग महाप्रबंधक नंदकिशोर वास्कल, एलडीएम सुजय कुमार एवं समाजसेवी रोचीराम गुरवानी सहित टास्कफोर्स से संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस का हुआ आयोजन

*** स्मारक पर हुआ श्रद्धांजलि समारोह, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

वीरांगना रानी दुर्गावती का 24 जून को बलिदान दिवस मनाया गया। सर्किटहाउस के सामने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष संतोष सोनू भल्लावी, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग क्षमा सराफ, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने वीरांगना रानी दुर्गावती की मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान जिला पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। रानी दुर्गावती के शौर्य एवं बलिदान को स्मरण करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि रानी दुर्गावती ने आत्म सम्मान की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान देकर महिलाओं का गौरव बढ़ाया है एवं उन्होंने अपनी प्रजा को अपने बच्चों की तरह पालन करते हुए उनकी सुख सुविधाओं के लिए जल प्रबंधन एवं उन्नत कृषि के लिए कार्य किया। साथ ही नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने कहा कि रानी दुर्गावती के बलिदान से प्रेरणा लेते हुए युवाओं को एकजुट रहकर प्रदेश एवं देश को विकसित करने का आव्हान किया। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम के दौरान सर्किटहाउस के सामने स्थित पार्क में पौधारोपण किया।

गौवंश की निर्मम हत्या के दोषियों पर कठोर कार्यवाही हेतु मुस्लिम समाज मंडला ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मुस्लिम समाज मण्डला द्वारा दिनांक 24 जून 2024 को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्टर को दिया है। ज्ञापन मे कहा गया है कि जिला सिवनी के धनौरा व धूमा थाना अंतर्गत असमाजिक तत्वों द्वारा लगभग 50 से अधिक गौवंश की हत्या कर जंगलों में फेंका गया। इनकी क्रूर मानसिकता को दर्शाता है। इन्होंने ऐसा कर हमारे करोड़ों हिन्दु भाईयों की आस्था को ठेस पहुंचाया है। मुस्लिम समाज इस घटना की घोर निंदा करती है। इस घटना को अंजाम देने वाले सरारती तत्वों द्वारा सम्प्रदायिक सौहद्र को बिगाड़ने व समाज में मदभेद पेड़ा करने का षडयंत्र प्रतीत होता है। अतः मुस्लिम समाज मण्डला इस घटना की कड़ी निदा करते हुए प्रशासन से मांग करता है। घटना में लिफ्त शरारती तत्वों के विरुद्ध शीघ्र अति शीघ्र सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये एवं इन्हें कड़ी सजा दी जाए जो कि ऐसे शरारती तत्वों के लिए सबक हो और भविष्य में कोई ऐसी हरकत न कर सके।

निर्देश | प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर पीड़ित को तत्काल लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

वर्षाकाल के दौरान विद्युत व्यवस्था रखें दुरूस्त

*** समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि राहत राशि के वितरण में शिथिलता लाएं प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर पीड़ित को तत्काल लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समय-सीमा के जो भी पत्र जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज होते हैं उन्हें संबंधित अधिकारी स्वयं अध्ययन करें तथा तय समय सीमा में सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करें। निराकृत प्रकरणों की संख्या के स्थान पर समाधान की गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, ऋषभ जैन सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि आवंटन के प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ पूरा करें। जल संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल के दौरान विद्युत व्यवस्था दुरूस्त रखें।

डॉ. सिडाना ने निर्देशित किया कि 25 से प्रारंभ हो रहे दस्तक अभियान में बच्चों की घर-घर जाकर जांच करते हुए उपचार व टीकाकरण की कार्यवाही पूर्ण करें। साथ ही पल्सपोलियो अभियान की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने 1 जुलाई से पीएमश्री कॉलेजों में विद्यार्थियों की सुविधा हेतु संचालित बस के लोकार्पण के तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में पीएम आवास, पीएम जनमन, आधार कार्ड, ईकेवाईसी, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान, पौधारोपण आदि के संबंध में भी समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

डीएपी के बदले एनपीके का उपयोग करें किसान

बैठक में कलेक्टर ने जिले में खाद की उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने उपसंचालक कृषि, सहायक आयुक्त सहकारिता एवं महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक को निर्देशित किया कि खाद की बिक्री में पारदर्शित रखें। संबंधित अधिकारी रेंडम आधार पर मॉनिटरिंग करें। साथ ही किसानों को जागरूक करने के लिए शिविर आयोजित करें। शिविर में किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग करने की समझाईश दें। कृषकों को अवगत कराएं कि एनपीके सोसायटी एवं खाद वितरण केन्द्रों में उपलब्ध हैं।

सिवनी जिले में हुई गौवंशों की सामूहिक हत्या के विरोध में 25 जून को भुआबिछिया बंद का आव्हान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

सिवनी जिले के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों में लगभग 54 गौवंशो की हत्या कर फेंके जाने की घटना के बाद जनाक्रोश घटने का नाम नहीं ले रहा है। घटना से आहत हिंदू समाज और गौवंश संरक्षक विभिन्न संगठनों ने 25 जून मंगलवार को भुआ बिछिया बंद करने का निर्णय लिया है।

भैंसवाही में भी गौमांस के लिए क्रूरतापूर्वक गौवंश की तस्करी एवं हत्या का मामला उजागर होने के बाद समस्त सनातनी हिन्दू समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। उक्त घटना के विरोध में, दोषियों को कठोर दण्ड दिये जाने की मांग एवं भविष्य में ऐसी जघन्य घटना की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु गौरक्षा कानून बनाने की मांग को लेकर भुआबिछिया नगर बन्द के आह्वान हेतु श्री राममंदिर भुआ में रविवार को सनातन हिन्दू समाज की बैठक में सर्वसम्मति से 25 जून 2024, दिन मंगलवार को शांतिपूर्ण बंद करने का निर्णय लिया गया।

मंगलवार को प्रातः 09 बजे विनोद रंगमंच (रामलीला मैदान) में सनातन हिन्दू समाज का एकत्रीकरण होगा, उसके पश्चात उक्त जघन्य पापपूर्ण घटना के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से नगर भ्रमण किया जाएगा। 11 बजे मुख्यमंत्री के नाम से उक्त घटना के विरोध में तथा गौरक्षा कानून की मांग को लेकर एसडीएम बिछिया को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बैठक मे वरिष्ठ, नागरिक आजाद चौबे, दानसिंह राजपूत, महेंद्र सिंह राठौर, रिखिराम परस्ते, अशोक नानकानी, सतेन्द्र श्रीवास्तव, श्री मिश्रा, दादूलाल जंघेला, रत्नेश यादव, अनिल राजपूत, बलदाऊ राजपूत, सुमित पिपरसानिया, अजयपुरी गोस्वामी, नरेश सार्वे, जमुना यादव, चंद्रकांत शर्मा, नरेश राजपूत, विवेक कुमार पाण्डेय, समीर अग्रवाल, विकास परिहार, दीपक पाण्डेय, विजय राय, बंटी जंघेला, मनीष साहू, सोनल अग्रवाल, आशुतोष तिवारी, विवेक श्रीवास्तव, दिलीप यादव, प्रिंस विश्वकर्मा, साकेत तिवारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

कार्यालय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास मवई जिला मण्डला

क्रमांक/बा/छात्रा./2024/86 मवई, दिनांक 24.06.2024

निविदा सूचना

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास मवई में निवासरत बालिकाओं के भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, स्टेशनरी एवं मेडिकल सामग्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। आवश्यकतानुसार सामग्री की सूची एवं शर्त निविदा फार्म के साथ जमा की जा सकती है। निविदा फॉर्म क्रय करने की अंतिम तिथि 28.06.2024 को शाम 4:00 बजे तक एवं दिनांक 29.06.2024 को प्रातः 11:30 बजे तक जमा की जा सकेगी। प्राप्त निविदायें दिनांक 30.06.2024 को 3:00 बजे समिति के समक्ष खोले जायेंगे। शर्तें-यदि राज्य कार्यालय कार्यालय के द्वारा टेंटर किया जाता है तो यह निविदा स्वतः ही समाप्त हो जायेगीञ

प्राचार्य/आहरण संवितरण अधिकारी

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास मवई जिला मण्डला

खबर संक्षेप

मधुसूदन की जिला अध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति

गाडरवारा। प्राथमिक माध्यमिक उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ मप्र (पीएमयूएम) के प्रांत अध्यक्ष मुरली मनोहर अरजरिया ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए अपने संगठन में पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। इसी के चलते माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल को जिला अध्यक्ष के पद पर मनोनीत करते हुए उन्हें शीघ्र ही की कार्यकारिणी गठित करने हेतु अधिकृत किया है। इस तरह पटैल को जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर के अनेक शिक्षकों द्वारा प्रसन्नता जाहित करते हुये कहा कि निश्चित ही पटैल के जिले के प्रमुख पद पर नियुक्त होने पर संगठन को मजबुती मिलेगी।

पार्किंग व्यवस्था नही होने के कारण बैंक उपभोक्ताओं की जान खतरे में?

कोडिया। आये दिन बैको द्वारा अपने उपभोक्ताओं के लिए जिस प्रकार से योजनाएं चलाई जाती है उनका लाभ किस स्थिति में उनको मिल पाता है यह बात किसी से छिपी नही है? यदि बैक की व्यवस्थाओं पर गौर किया जावे तो किसी भी उपभोक्ता का कार्य बगैर दलाल के माध्यम से हो पाना संभव होता हुआ नही देखा जाता है? जिसके चलते आये दिन क्षेत्र के लोगों को बैक के चक्कर लगाते हुए आसानी से देखा जा सकता है? इस संबंध में बताया जाता है कि शासन द्वारा बैकों के माध्यम से किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जब तक किसानों तक पहुंचती है तब तक या तो योजनाएं बंद हो जाती है या फिर अपने लक्ष्य को पूरा कर लेती है। इतना ही नही यदि क्षेत्र के लोगों को बैक संबंधी में योजना का लाभ लेने का मौका मिल भी जाता है तो बैकों में बैठे अधिकारियों द्वारा उनसे सीधे मुंह बाते नही करते है जिसके चलते मजबूरी बस क्षेत्र के लोगों को बैकों द्वारा नियुक्त किये गये तथा कथित दलालों के पास पहुंचने मजबूर हो जाता है जिसके चलते बैकों द्वारा इन दलालों से फिक्स किये गये अपने प्रतिशत के बाद ही किसान इस प्रकार से सरकार द्वारा चलाई जा रही जन हितैषी योजनाओं का लाभ लेते हुए देखे जा रहे है? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि बैकों द्वारा अपने ग्राहको को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान नही किये जाने के कारण या तो ग्राहक रोड पर खड़े होकर बैकों में अपनी कार्य पूर्ण करने का इंतजार करते रहते है?

जान के दुश्मन बन रहे खटारा यात्री बाहन

गाडरवारा। इस समय देखा जावे तो क्षेत्र की सड़कों पर दौड़ रही अनेक बसे इस प्रकार की है जिनके परमिट नही होने के बाद भी सड़को पर दौड़ रही है? कुछ की स्थिति इस प्रकार से बताई जाती है कि वह परमिट किसी अन्य मार्ग का रखे हुए है और चल कही और रही है? इतना ही नही क्षेत्र की सड़को पर दौड़ रहे वाहनों को देखा जावे तो 50 फीसदी से अधिक वाहन अन फिट की श्रेणी में दिखाई पड़ रहे है? मगर इसके बाद भी उन्हे सड़को पर घसीटा जा रहा है और प्रति वर्ष सैकड़ो की संख्या में यात्रियों को जान से हाथ धोना पड़ जाता है? अकसर वाहन परमिट नही लेते वाहन चालक परमिट लेने के बजाय जुगाड से काम निकाल लेते है और पकड़ा धकड़ी से बचने के लिए वाहन चालक सफर शॉर्टकट रास्तो से पूरा करते है, जो हादसे का कारण बन जाते है, इतना ही नही यह अनफिट वाहन बीच रास्ते में ही धोखा दे जाते है? वाहनो की परमिट बात की जाए तो इनमे से 40 फीसदी वाहनो पर ही कागज अपडेट मिल सकते है? लगभग 60 प्रतिशत वाहन इस प्रकार से क्षेत्र की सड़को पर बगैर परमिट के ही दौड़ रहे है जिनकी खोज खबर लेने वाले जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर ध्यान ही नही दिया जा रहा है। मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग अपने आंखे बंद किये हुए है? इनमें से 20 से 25 वर्षो पुराने हो चुके है यह वाहन, इसके बाद भी न सिर्फ सड़को पर घसीटा जा रहा है। बल्कि यात्री ढोने के काम में लिया जा रहा है। शासन की अनदेखी का परिणाम है कि यह खटरा वाहनों में यात्रियों को छतो पर बैठकर सफर कराया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुये शौचालयों में लगा गंदगी का अम्बार

मात्र चंद दिवस ही बचे हुये नया शिक्षा सत्र की शुरूआत के लिये

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत का नारा देते हुए संपूर्ण देश को स्वच्छ बनाने की सोच रखी जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की सोच को अमली जामा पहनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा भी संपूर्ण प्रदेश को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुए गांव गांव टीमें भेजकर शौचालयों का निर्माण कराने बाद अब स्वच्छता सर्वेक्षण की मुहिम शुरू कर दी गई है, जिसके चलते हमारे जिले के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करने के लिए कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इसी के चलते बताया जाता है कि बीते हुए कुछ माह पूर्व एक टीम द्वारा गांव गांवों पहुंचकर शिक्षण संस्थाओं सहित अन्य स्थलों पर निरीक्षण करने की बात कही गई थी जिसकी सूचना अधिकारियों व कर्मचारियों को पहले ही मिल जाने के कारण इस टीम के पहुंचने के पूर्व अपनी शिक्षण संस्थाओं के शौचालयों को नई दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। मगर इसके बाद उन शौचालयों की क्या सच्चाई बनी हुई है इस बात का अंदाजा ग्रामीण क्षेत्रों में देखकर आसानी से लगाया जा सकता है? वही दूसरी ओर लगभग पांच वर्ष पूर्व शिक्षण संस्थाओं में भी सरकार द्वारा पक्के शौचालयों का निर्माण कराते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा चुके है। मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो लगातार चलाई जा रही इस स्वच्छता की सत्यता का नजारा क्षेत्र के शाला भवनों में बदहाल हालत में पहुंच रहे शौचालयों को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है कि आखिरकार सरकार द्वारा स्वच्छता के नाम पर खर्च किये जा रहे पैसा मात्र एक औपचारिकता पूर्ण करते हुये शासन की राशि की होली खेलने के समान दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? जहां अधिकारियों द्वारा आये दिन स्वच्छता का संदेश देने से नही तो नही चूकते है मगर शिक्षण संस्थाओं में फैल रही गंदगी के ओर किसी भी प्रकार का ध्यान न देना चिंता जनक सच्चाई मात्र कागजों पर चल रहे स्वच्छता अभियान को उजागर करने से नही चूक रहा है? जिसके चलते शिक्षण संस्थाओं की स्थिति को देखते हुए यह जान पड़ रहा है कि अधिकारियों के दिशा निर्देश सिर्फ अखबारों की सुर्खियों में छाने तक ही सीमित होकर रह रहे है। क्योंकि इस समय देखा जा रहा है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि उनमें बच्चे तो क्या शिक्षकों को पहुंचने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि लगभग पांच साल पहले शासन के आदेश अनुसार शिक्षण संस्था में शौचालय बनबाने का जो आदेश दिया गया था उसे लेकर संबंधित विभाग द्वारा शौचालयों का निर्माण करते हुए उन्हें इतना सुन्दर बनाया गया था कि उसकी कल्पना नही की जा सकती थी। मगर उनकी सच्चाई चंद दिनों बाद ही जिस प्रकार से देखने मिल रही है उसकी भी कल्पना करना भी मुश्किल होने लगा है? क्योंकि इन शासकीय शिक्षण संस्थाओं में बीते हुए वर्षो में बनाये गये शौचालय इस प्रकार की स्थिति में पहुंच चुके है कि उनका छात्र छात्राओं सहित शाला के स्टाफ द्वारा उपयोग करने की बात तो दूर उनकी ओर झाकने से भी दहशत में देखे जाने लगे है। क्योंकि इन शौचालयों को लेकर साफ सफाई के आभाव में जहां उनके अंदर जहरीले कीडे मकोड़ो ने अपना डेरा जमा लिया गया है। वही दूसरी ओर शिक्षण संस्थाओं की स्थिति इतनी बदहाल हो रही है कि जब जरा सी बारिश होती है तो उनके चारों ओर बारिश का पानी भर जाने के कारण जहां बच्चों को शिक्षण संस्थाओं में बैठते हुए अध्ययन करना मुश्किल हो जाता है। जिस प्रकार से शासन से लेकर शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में शौचालय निर्माण कार्यो पर जोर दिया गया था यदि वह जोर शिक्षण संस्थाओं के सुधार कार्य पर दिया गया होता तो निश्चित शिक्षण संस्थाओं की सूरत बदल गई होती। मगर चंद दिनों के लिए सुन्दर शौचालयों से सजी रहने के बाद बदहाल स्थिति में पहुंची शिक्षण संस्थाओं को लेकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि आखिर में बच्चें अपने स्कूलों में पढ़ाई करने के लिए जाते है सिर्फ शौच करने के लिए नही? क्योंकि भले ही शौचालय बदहाल होते तो काम चल जाता, मगर बच्चों के लिए शिक्षण संस्थाओं की स्थिति में सुधार हो जाता तो उनको लाभ मिलता। क्योंकि पढ़ाई के दौरान चंद बच्चें ही शौचालयों का उपयोग करते है? जबकि शिक्षण संस्थाएं शौचालय के आलवा जिस तरह अन्य कमियों से जूझती है तो सभी बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसके चलते उनकी पढ़ाई पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति के चलते लोगों का कहना है कि शौचालयों की सुन्दरता से अधिक जरूरत शिक्षण संस्थाओं के सुधार में ज्यादा महसूस की जा रही है जहां पर बैठकर बच्चों को अपनी पढ़ाई करना पड़ती है। मगर पता नही क्यों शासन द्वारा इस समय शिक्षण संस्थाओं के सुधार की जगह उनके शौचालयों पर ज्याद ध्यान देने में लगा दिया गया था और लगभग हर स्कूल में शौचालयों के नाम पर खर्च की गई राशि की गफलतबाजी बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हुये यह शौचालय खुद ही अपने आप बताने से नही चूक रहे है जिसके चलते इन शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले बच्चों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसी का परिणाम है कि शहर सहित ग्रामीण क्षेंत्रों की शिक्षण संस्थाओं स्थिति इनती बदहाल होती हुई देखी जा रही है जहां हर वर्ष सरकार द्वारा लाखों रूपया खर्च करने के बाद अनुपयोगी साबित हो रहे है। यह बात अलग है कि शासन के आदेश अनुसार बीते हुये चार वर्ष पहले क्षेत्र की हर शिक्षण संस्था में लाखों रूपया खर्च करते हुये शौचालयों का निर्माण कराते हुए उन्हें सुन्दर बना दिया गया है। मगर आज भी शिक्षण संस्था की स्थिति बदहाल होने के कारण इन संस्था में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षक शिक्षिकाओं को भी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

बच्चों का पोषण आहार खाकर आखिर कौन हो रहा है मोटा, अभिभावकों को पता ही नही क्या मिलता है मासूमो को?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा बच्चों का अच्छा भरण पोषण हो सके इसके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, मगर इसके बाद समीपस्थ जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवो में देखा जावे तो वह लगातार पिछड़ रहें है। क्षेत्र मे संचालित अधिकांश सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के चलते इतनी फजीहत है कि शासन की मंशा कही से किसी कीमत मे पूरी होती नही दिखती है? भ्रष्टाचार ने सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को ऐसा पलीता लगाया जा रहा है कि योजनाये जहां दम तोड रही है जिसके चलते अनेक हितग्राही योजनाओं का लाभ पाने वाले भटकते हुए देखे जा रह है? क्षेत्रवासियों का जनचर्चाओं में आरोप है कि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की उन तक तब जानकारी बहुचती है जब या तो वह पूरी हो चुकती है या फिर उनमें आई राशि खत्म हो जाती है? ऐसी एक नही अनेक योजनाएं है जिनका कागजों से हटकर हकीकत में आम लोगों लाभ मिलना चाहिए मगर नही मिल पा रहा है, जिसमें अनेक योजनाएं तो महिला बाल विकास के हबाले से जो भ्रष्टाचार व अनियामितताओं का शिकार होते हुए देखी जा रही है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पोषण आहार योजना की जो दुर्दशा होते हुए देखी जा रही है जिसे देखकर शहर में ही सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों मे इस योजना का क्या हाल होगा? हरिभूमि ने जब क्षेत्र के कुछ ग्रामीण क्षेत्र के पोषण आहार केन्द्रों और कुछेक आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण करते हुए इसकी सच्चाई का पता किया गया तो अनेक केन्द्रो में पाया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में चल रही गफलत बाजी के चलते वह योजनाएं जहां असफल साबित हो रही है, वही दूसरी ओर बच्चों का पोषण होने की जगह व अपोषित होते चले जा रहे है? जबकि शासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रो में अध्यन करने वाले बच्चों के नियम से अलग अलग दिन के हिसाब से खाना मिलना चाहिए, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन आंगनबाड़ियों में अध्ययन करने वाले अनेक बच्चों के अभिभावकों को पता नही है कि आज उनके बच्चों को अलग से कुछ मिला है कि नही, क्योंकि बच्चों द्वारा घर जाकर वही बताया जाता है कि जो रोज मिल रहा है वही आज मिला है। इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र के अनेक आंगनवाड़ी केन्द्रों मे काम करने वाली कार्यकर्ताओं ने दबे सुर मे अपना नाम उजागर न करने की बात पर अपनी परेशानियां बताई जो गंभीर है? इनके विभागीय अधिकारियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है और मांग पूरी न होने पर इन्हें डराया धमकाया जाता है और तो और इन्हे नौकरी से निकाल देने का भय भी दिखाया जाने से नही चूकते है..? इसके चलते कुछ स्थानों की स्थिति तो यह बने है कि केन्द्रो में जितने बच्चे उपस्थित नही रहते है, उनका भी भोजन बनाने का रिकार्ड दर्ज कर काफी हद तक गोलमान किया जाने की जानकारियों मिलना आम बात होती चली जा रही है? इतना ही नही यदि कोई आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता व इनको भोजन देने वाले समूह द्वारा इस पर अपत्ति ली जाती है तो अधिकारियों द्वारा उन्हे धमकी देकर मुंह बंद कर दिया जाता है? वही कुछ अधिकारियों द्वारा तो शासन के धन पर अपना कब्जा करे हुए शासन की योजनाओं को खुलेआम पलीता लगाया जा रहा है? इस प्रकार से यदि गौर किया जावे तो महिला विकास विभाग के लिए पोषण आहर योजना धन पान की खान बनी हुई है?

डिजीटल इंडिया बनाने सपने को इस स्थिति में कहां तक मिल पायेगी सफलता, धान का कटोरा कहे जाने वाले सालीचौका क्षेत्र में आये दिन लेन देन के लिए भटकते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए क्षेत्र के लोग अनेक जरूरी सुविधाओं के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है, क्षेत्रवासियों की परेशोनियों को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद इस ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक बात साबित होने से नही चूक रहे है? वही दूसरी ओर यदि सालीचौका क्षेत्र की विकास गति पर गौर किया जावे तो जहां कृषि के क्षेत्र में सालीचौका को धान का कटोरा कहा जाता है। वही क्षेत्र में दो बड़ी बडी राईस मिलों के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिले भी संचालित हो रही है, वही व्यापक स्तर पर अनाज का व्यापार करने वाली व्यारियों के आलवा यहां पर उप पुलिस चौकी, शासकीय चिकित्सालय केन्द्र व बिजली आफिस तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों के आलवा देखा जावे तो सालीचौका क्षेत्र से आस पास के अनेक गांव जुडे हुये है जो सालीचौका की व्यवस्थाओं पर आधारित रहते है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में किसी बड़ी बैक की स्थापना न होना आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण साबित होते हुए देखा जा रहा है, एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा प्रदान करने की सोच रखते हुए डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए संपूर्ण लेनदेन केश लेंस करने में लगे हुये है जिसके चलते लोगों के खाते बैकों में खुलबाने से हर लेने देन के कार्य को बैकों में माध्यम से कराना चाहते है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए भी हितग्राहियों के खातों में पैसा डालते हुए बैकों में माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में मात्र एक बैक के भरोसे क्या डिजीटल इंडिया होने का सपना पूरा हो पायेगा यह सिर्फ सोचने वाली बात ही नही बल्कि चिंता जनक सच्चाई है? इस प्रकार से देखा जावे तो यहां पर स्थित मात्र एक यूकौ बैक की ब्रांच होने के कारण लोगों का लेनदेन के लिए दिन भर भीड़ लगी हुई देखी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे गांवों से आने वाले लोग बैक के कार्यो के चलते दिन दिन भर बैक के सामने बैठे हुए दिखाई देते है, जिसमें इस समय केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य प्रकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों की राशि भी बैक के खातों में आने के कारण नगर की एक मात्र बैक ब्रांच में हितग्राहियों का अपनी राशि निकालने के लिए मेला लगते हुए दिखाई दे रहा है। कहने के लिए तो यहां पर एटीएम की स्थापना की गई है मगर एटीएम की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि आये दिन एटीएम के रूपयों की कमी या फिर अन्य गड़बड़ी के चलते एटीएम मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है? इस प्रकार अनेक समस्याओं से जूझ रहे सालीचौका क्षेत्र में आम लोगों की परेशानियों से निजात दिलाने के लिए न तो आज तक किसी बडे नेता द्वारा आवाज उठाई गई है और न ही उन छुटभेया नेताओं द्वारा उन परेशानी लोगों की समस्याओं पर ध्यान दिया जा रहा है जो आये दिन अपने आप को प्रभावशाली बताने के साथ समस्याओं से निजात दिलाने का भरोसा दिलाते हुए अपने कुर्ता की सफेदी का रौब दिखाने में कोई कसर नही छोड़ते है? जबकि सालीचौका क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सालीचौका में कम से कम चार पांच बैकों की स्थापना महसूस किये जाने लगी है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सालीचौका में स्थापित इस बैक की क्षमता को ध्यान में रखते हुए अनेक व्यापारियों द्वारा मजबूरी बस अपना लेनदेने भारतीय स्टैट बैक के माध्यम से करते हुए देखा जाता है। इस स्थिति में अनेकों बार देखा गया है कि जब लोग अपना नगदी जमा करने या फिर गाडरवारा से नगदी लेकर यहां आते है तो लूट जैसी घटना घटित हो चुकी है, जिसके चलते सालीचौका से बाहर की बैकों में लेनदेने किये जाने के कारण लोगों में दहशत देखने मिलती है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के चलते क्षेत्र के विकास पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग परेशानियों से घिरे हुए देखे जा रहे है।

गायब हुई 2 वर्ष की मासूम बच्ची को पुलिस ने चंद घंटों के अंदर खोजते हुये पहुंचाया अपनी माँ की गोद में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कहा जाता है कि जब पुलिस अपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ करती है तो किसी भी कार्य में सफलता पाना मुश्किल नही होता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर में उस समय देखने मिली जब अपनी माँ से बिछड़ी हुई 2 वर्ष की मासूम बच्ची को उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक उमेश तिवारी की टीम द्वारा चंद घंटों के अंदर खोजते हुये उसकी माँ की गोदी में पहुंचा दिया। उल्लेखनीय है कि जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा अंतर्गत अपहत नाबालिग बालिकाओं के प्रकरणों की समीक्षा उपरान्त नाबालिग बालिकाओं की पतासाजी कर दस्तयाब करने हेतु आपरेशन मुस्कान चलाया अपहरण के प्रकरणों में कार्यवाही आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थें। इसी के चलते बीते हुये दिवस गाडरवारा पुलिस थाने में जबलपुर गोसलपुर थाना निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि वह यहां वहां पर माँग कर खाते हैं व गाडरवारा रेल्वे स्टेशन माल गोदाम में रह रहें है। वही प्रार्थिया का कहना था उसकी तबीयत खराब होने से वह दोपहर में सो गयी थी और शाम हो उठकर देखा तो उसकी 02 वर्षीय लड़की नहीं दिखाई दी । आस-पास बहुत तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला है। इस तरह गायब हुई मासूम को लेकर प्रार्थिया द्वारा आशंका व्यक्त की गई कि उसकी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति ले गया है। इसी के चलते प्रार्थी की रिपोर्ट गाडरवारा पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया। वही घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये तत्काल घटनास्थल पहुँच पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर नाबालिक बालिका के परिजनों से पूछताछ करने के साथ उप पुलिस अधीक्षक त्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक उमेश तिवारी थाना प्रभारी गाडरवारा को आवश्यक दिशा निर्देश दिए । वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना गाडरवारा पुलिस ने विशेष पुलिस टीमें बनाकर भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य संकलन तथा संभावित स्थानों में दबिश देकर संदेही व्यक्तियों से पूछताछ करने के साथ जिला मुख्यालय से FSL टीम द्वारा घटनास्थल में फिंगरप्रिंट लेने के प्रयास किए गए। वही दूसरी ओर DOG SQUAD द्वारा नाबालिक बालिका की तलाश स्निफर डॉग के माध्यम से करने के साथ साथ CCTV FOOTAGE अवलोकन हेतु अलग-अलग टीमों द्वारा रेलवे स्टेशन,पार्किंग एवं आसपास के व्यापारिक संस्थाओं के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया । अलग-अलग सर्चिंग पार्टियों द्वारा रेलवे स्टेशन के दोनों ओर के प्लेटफार्म, रेलवे यार्ड माल गोदाम एवं आसपास की कॉलोनी में नाबालिक बालिका की तलाश की गई। इस तरह इस तरह नाबालिक बालिका की तलाश हेतु गठित की गयी टीम द्वारा स्थानीय स्तर पर पतासाजी कर क्षेत्रीय मुखबिरों को सक्रीय किये गये । पुलिस टीमों के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरुप चंद घंटों के उपरांत गायब हुई मासूम बालिका को पुलिस द्वारा खोजते हुये उनकी माँ की गोद तक पहुंचाने में सफल हुई। वही मासूम की खोजबन करने में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन तथा नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में निरीक्षक रत्नाकर हिंगवे, उप निरीक्षक अभिषेक पटेल, उप निरीक्षक वर्षा धाकड़, मनीषा लिल्हारे,नीलेश, अमित गोंटिया, श्रीराम रघुवंशी, सहायक उप निरीक्षक पुनीत कटारे,शिवराज सिंह पटेल,प्रधान आरक्षक भास्कर पटेल,वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी, चेतन, कमलेश, आरक्षक बालकिशन रघुवंशी, ऐश्वर्य वेंकट, सुजीत बागरी, शिवम गुर्जर, कुलदीप सिकरवार, प्रदीप गुप्ता, राजेन्द्र धाकड़, भगवान सिंह, उत्तम उचाड़िया,रामसिंह के आलवा महिला आरक्षक नेहा पटेल का विशेष योगदान रहा।

स्कूलों की बाल सभा के दौरान पल्स पोलियो अभियान में सहयोग हेतु छात्र छात्राओं को दिलाई शपथ

गाडरवारा। शनिवार को क्षेत्रीय शासकीय स्कूलों मे आयोजित बाल सभाओ में 25 जून तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान के लिए छात्र छात्राओं को संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई कि वे अपने परिवार एवं आस पास के लोगों से कहें कि वे 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्राप के लिए नजदीकी केंद्रों तक लेकर आएं एवं पोलियो से बचाव की दवा पिलाएं। विदित हो कि इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से एक आदेश जारी हुआ था जिसमे स्कूलों में शनिवार की बालसभा में पल्स पोलियो अभियान के प्रचार प्रसार में छात्र छात्राओ को शपथ दिलाएं जाने के निर्देश जारी किए गए थे।

खबर संक्षेप

आधार ई-केवायसी के पश्चात ही मिलेगा योजना का लाभ

डिंडौरी । श्रम पदाधिकारी डिंडौरी ने बताया कि शासन द्वारा समस्त विभागों को राज्य प्रायोजित डीबीटी योजनाओं में हितग्राहियों की पहचान हेतु मुख्य रूप से आधार का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में मंडल द्वारा संचालित समस्त योजनाओं में पारदर्शिता हेतु निर्माण श्रमिक पंजीयन तथा योजनाओं के आवेदन के समय ई-केवायसी तथा योजना अंतर्गत हितलाभ वितरण आधार पर आधारित भुगतान प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यवस्था अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक, हितग्राही की आधार ई-केवायसी कराए जाने के पश्चात ही किसी भी योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। पंजीकृत श्रमिक, हितग्राही के बैंक खाते का आधार से लिंक होना अनिवार्य है। हितग्राही को योजना अंतर्गत सहायता राशि का भुगतान सक्षम अधिकारी द्वारा ईपीओ जारी कर डिजीटल साईन के पश्चात हितग्राही के आधार लिंक बैंक खाते में ही प्राप्त होगा।

461वें बलिदान दिवस पर वीरांगना रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

डिंडौरी । गोंडवाना साम्राज्य की महारानी अदम्य शौर्य, पराक्रम और स्वाभिमान की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान पर आज कलेक्ट्रेट चैराहे पर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, एसडीएम डिंडोरी श्री रामबाबू देवांगन, पार्षद रूपाली जैन, श्री रितेश जैन, श्री भगीरथ उरैती, श्री ज्योतिरादित्य भलावी, श्री रम्मू वैश्य, सिटी मिशन मैनेजर छन्स्ड श्रीमती स्वेता तिवारी सहित नगर परिषद के अन्य अधिकारी कर्मचारी, मौजूद थे।

ड्यूटी समय में भी घोड़े बेचकर सो रहे कर्मचारी

अनूपपुर। पीएचई विभाग के स्थापना शाखा अनूपपुर के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में पदस्थ कर्मचारियों का कार्यालय समय पर भी आराम की जरूरत पड़ रही है। यह नजारा सोमवार की सुबह की है जब कार्यालय के स्थापना शाखा के बड़े बाबू सुबह 11:30 बजे भी आराम पर नजर आए। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनूपपुर पीएचई विभाग के डिवीजन ऑफिस में पदस्थ रामपाल सिंह स्थापना शाखा का काम देख रहे हैं जो सोमवार के दिन के लगभग 11:30 बजे अपनी कुर्सी में बैठकर नींद के खर्राटे मारते नजर आए। जिस दौरान वह नींद की झपकियां ले रहे थे तो उनकी यह नींद को पत्रकार ने कैमरे में कैद हो गई। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उनका कहना था कि मैं सो नहीं रहा था। सरकारी आदेश के बाद कार्यालय जहां 5 दिन के हो चले हैं ऐसे में सोमवार को कार्यालय खुलने के साथ ही स्थापना में पदस्थ बड़े बाबू नींद लेते नजर आए। यह पहला मामला नही है कि अधिकारी कर्मचारी कार्यालय में काम करने की बजाय सोते नजर आए हैं। इसके पहले भी बहुत सारे मामले आ चुके हैं मगर ऐसे अधिकारी कर्मचारी पर विभाग द्वारा कोई भी कार्यवाही नही की जाती जिसके कारण ऐसे लोगो का डर पूरी तरह खत्म हो गया है।

सभी अधिकारी समन्वय के साथ वन भूमि के प्रकरणों करें निराकरण : कलेक्टर

अनूपपुर। विभिन्न विभागों के जनहित से जुड़े संचालित निर्माण कार्यों में वन विभाग से संबंधित अनापत्ति एवं वनाधिकार आदि के संबंध में अंतर विभागीय अधिकारियों तथा वन विभाग के अधिकारियों के साथ कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने बैठक कर वन विभाग से संबंधित सभी समस्याओं का नियमानुसार निराकरण अंतर समन्वय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व प्रकरण में शासन के नियमों का विशेष ध्यान रखने को कहा है।

डिंडौरी ।

राजस्व अमला यह सुनिश्चित करे कि माह के अंत में लंबित प्रकरणों का निराकरण पूरा हो सके। भू-अर्जन के प्रकरणो में अभिलेख दुरूस्तीकरण की कार्यवाही समय पर पूरा किया जा सके। इस हेतु लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही प्राथमिकता से करें। आपदा प्रबंधन के अंतर्गत आसमयिक जनहानि, पशुहानि, मकान क्षति की स्थिति में पीड़र्तिों को तत्काल सहायताध्राहत राशि उपलब्ध कराएं। जनप्रतिनिधियों से प्राप्त आवेदनों की सूची तैयार कर उक्त प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। राजस्व अधिकारी अपने मूल कार्यों के साथ साथ अपने क्षेत्रीय स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण करें। जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं का मुआयना कर उचित सुधार किया जा सके। कोई भी राजस्व अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय उक्त बैठक में अपर कलेक्टर अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह, एसडीएम बजाग आर.पी. तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक मौजूद थे।

38 कि.ग्रा. मछली जप्त

डिंडौरी । मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्योखेट, मत्स्य विक्रय, मत्स्य परिवहन आदि प्रतिबंधित है। उक्त आदेश के परिपालन में 21 जून को आर.के चंदेल प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग डिण्डौरी के नेतृत्व में बी. के. सिरसाम मत्स्य निरीक्षक उडनदस्ता दल प्रभारी, एच.सी. विश्वकर्मा मत्स्य निरीक्षक विशाल शरणागत मत्स्य निरीक्षक जय प्रकाश धुर्वे सहा ग्रेड तीन एवं दशरथ प्रसाद वरकडे चैकीदार आदि दल ने हर्रा के मछली बाजार से 30 कि.ग्रा एवं गाडासरई के मछली बाजार से 08 कि.ग्रा कुल 38 कि.ग्रा. मछली जप्त की गई, जिसकी नीलामी कर राशि रूपये 3500 - शासन के खातें में जमा की गई।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय सीमा की बैठक

विभागवार की गई योजनाओं और कार्यप्रगति की समीक्षा

डिंडौरी ।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। विभागवार योजनाओं और कार्यप्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, अपर कलेक्टर श्री सुनील शुक्ला, एसडीएम डिंडौरी श्री रामबाबू देवांगन, एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह, एसडीएम बजाग आर.पी. तिवारी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर मिश्रा ने शासन के निर्देशानुसार जिले में संचालित जल संरक्षण और पौधरोपण के संबंध में सभी विभागीय अधिकारियों से उनके कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कि जिले के सभी शासकीय कार्यालय परिसर, शासकीय भूमि और अन्य चिन्हित स्थानों में पौधरोपण अवश्य करें। पौधरोपण के पश्चात पौधों की सिंचाई एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग को नया सत्र की कक्षाएं प्रारंभ होने के पूर्व छात्रावास एवं स्कूलों की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही छात्रावासों एवं स्कूलों में विद्युत, पयेजल, शौचालय आदि व्यवस्थाएं समय पूर्व दुरूस्त कराने को कहा है। जिले के हॉट बाजारों में पेयजल एवं शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है।

कलेक्टर मिश्रा ने बारिश पूर्व बांध, नहर और जलाशयों को दुरूस्त कराएं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग के अंतर्गत शिलान्यास, भूमिपूजन, लोकार्पण, निर्माण कार्यों की सूची तैयार कर प्रस्तुत करें। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सर्पदंश एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सिकल सेल के मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप नियमित रूप से करें। खुले में मांस, मछली विक्रय पर कार्यवाही करें। मछली दुकान नियत स्थान पर ही लगे यह सुनिश्चित करें। इसके बाद बैठक में पल्स पोलिया अभियान, दस्तक अभियान के बारे में चर्चा करते हुए सीएम हेल्पलाइन व टीएल प्रकरण की समीक्षा की गई।

पंजीकृत श्रमिकों के लिये 2 नई योजनाऐं प्रारंभ

डिंडौरी ।

मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के लिये 02 नई योजनाऐं प्रारंभ की गई है। पहली "भवन एवं अन्य संनिर्माण दिव्यांग सहायता अनुदान योजना एवं दूसरी "भवन एवं अन्य संनिर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना। पंजीकृत श्रमिकों को ई-स्कूटर की खरीदी के लिये क्रय मूल्य का 50 प्रतिशत जो कि अधिकतम 40 हजार रूपये होगा, की सहायता दी जायेगी, जबकि दिव्यांगजन श्रमिकों एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यो की दिव्यांगता की स्थिति में मोटर चलित त्रिपहिया साईकल एवं अन्य सभी दिव्यांग उपकरण क्रय करने पर 100 प्रतिशत राशि जो कि अधिकतम 35 हजार रूपये होगी, प्रदान की जायेगी। इसके लिये श्रम विभाग द्वारा 14 जून 2024 को राजपत्र में प्रकाशन किया गया है।

योजना की शर्तों के अनुसार दिव्यांग श्रमिक के पारा 40 प्रतिशत दिव्यांगता का यूडीआईडी स्थाई कार्ड होना चाहिये, जो कि 01 अप्रैल 2023 या इसके पश्चात बना हो। मोटर चलित साईकिल एवं अन्य दिव्यांग उपकरण आर्टिफिशियल लीम्ब्रा मेनुफेक्चरिंग कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा निर्मित होने चाहिये। पंजीकृत श्रमिक एवं उसके परिवार के एक सदस्य को सिर्फ एक बार इस योजना का लाभ मिलेगा। कर्मकार कल्याण मण्डल के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने पर इस योजना का लाभ 30 दिन के अंदर मिलेगा। ई-स्कूटर के लिये निर्माण श्रमिक का पंजीयन 05 साल पुराना होना अनिवार्य होगा। ई-स्कूटर के आरटीओ में रजिस्ट्रेशन का खर्च आवेदक श्रमिक को ही उठाना होगा। क्रय करने के बाद कर्मकार मंडल के पोर्टल पर अनुदान हेतु आवेदन करना होगा। जिसमें क्रय बिल, रजिस्ट्रेशन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस अपलोड करना होगा। 10 दिन के अंदर डीबीटी के तहत अनुदान राशि आवेदक के बैंक खाते में भेजी जायेगी। एक वित्त वर्ष में एक हजार श्रमिकों को पहले आयो, पहले पाओ के आधार पर योजना का लाभ दिया जायेगा तथा इसमें 60 ई-स्कूटर दिव्यांगजनों के लिये आरक्षित रहेंगे। शेष आवेदको को अगले वित्त वर्ष में योजना का लाभ दिया जायेगा। उक्त दोनो योजनाओं में क्रय के बाद गोटर चलित साईकिल एवं ई-स्कूटर 03 वर्ष तक बेची नही जा सकेगी तथा उस पर अनिवार्य रूप से लिखना होगा कि "कर्मकार कल्याण मण्डल के अनुदान से क्रय किया गया" है। उक्त योजनाओं के लिये पदाभिहीत अधिकारी सहायक श्रमायुक्त, श्रम पदाधिकारी, सहायक श्रम पदाधिकारी को नियुक्त किया गया है। योजना के लिये आवेदन जिला श्रम कार्यालय डिंडौरी में किया जाएगा।

औचक निरीक्षण कर लापरवाही करने वाले कृषि आदान विक्रय संस्थानों पर की कार्यवाही, नोटिस जारी

डिंडौरी । जिले में खाद बीज एवं कीटनाशक के अवैध विक्रय परिवहन एवं कालाबाजारी को रोकने के लिए विकासखंड नोडल अधिकारी एवं गुण नियंत्रण निरीक्षक शहपुरा द्वारा किसान सुविधा केंद्र, अन्नपूर्णा बीज भंडार, किसान कृषि शहपुरा, आशीष बीज भंडार एवं माँ दुर्गा बीज भंडार का ओचक निरिक्षण किया गया। जहां स्कन्ध पंजी संधारित ना किये जाने,कृषको को आदान सामग्री के बिल प्रदाय ना किये जाने, दर प्रदर्शित बोर्ड ना पाए जाने एवं विक्रय संस्था का बोर्ड चस्पा ना होने जैसी लापरवाही पायी जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान बीज अधिनियम 1966 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत खाद बीज निरीक्षक वि. ख. शहपुरा द्वारा बीज एवं उर्वरक के नमूने लिए गये। कृषि आदान के वितरण के पूर्व ही सभी विकासखंडो में निरीक्षकों द्वारा नमूने लिए जा रहे है जिससे कृषकों को गुणवत्ता पूर्ण आदान उपलब्ध हो सके। जिले में निरीक्षण का कार्य जिला स्तरीय दल द्वारा सतत जारी है। खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं द्वारा किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर बिक्री, अवैध परिवहन करने पर कठोर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। निरीक्षण के दौरान विकासखंडीय नोडल अधिकारी, गुण नियंत्रण निरीक्षक शहपुरा, प्रभारी वरिष्ठ कृषि अधिकारी शहपुरा एवं कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

ठेकेदार की लापरवाही के चलते परेशान हो रहे राहगीर, कछुए की चाल से चल रहा पुल निर्माण का कार्य

-हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

जिले के करंजिया क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोपालपुर और गोरखपुर को जोड़ने वाले पुल पर निर्माण कार्य शुरू किया गया है जिसमें ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लेट लतीफी का आरोप लगाया है, जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि पी एम जी एस वाय अंतर्गत बन रहे इस पुल को ठेकेदार द्वारा 6 माह पहले तोडा गया है जबकि ठेकेदार की मनमानी और लापरवाही के चलते कार्य में लेट लतीफी की जा रही है जिससे यह अयास लगाए जा रहे हैं कि इस तरह की मनमानी पूर्वक कार्य से यह पुल 3-4 साल में पूरा होगा। विभागीय अधिकारियों के द्वारा समय समय पर विजिट नहीं किए जाने के चलते ठेकेदार द्वारा लेट लतीफी की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि धीमी गति से चल रहे इस पुल निर्माण कार्य में ब्लास्टिंग लगाकर तोड़ने का कार्य किया जा रहा है हालांकि परमीशन को लेकर जानकारी लेने की कोशिश की गई तो उचित जानकारी प्राप्त नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि अभी शुरुआत के पानी में ही ठेकेदार द्वारा बनाया गया डायवर्सन बार बार बह रहा है जबकि अभी पूरी बरसात बांकी है जबकि इसी रास्ते से 10-15 गांव के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को पुल पार कर नवमी से बारहवीं तक की पढ़ाई के लिए स्कूल जाना पड़ता है। यदि यही हाल रहा तो क्षेत्र के सैंकड़ों विद्यार्थी जब जब बरसात होगी, बाढ़ आएगी डायवर्सन बहेगा तो बरसात के चलते स्कूल ना पहुंचने के चलते पढ़ाई से वंचित होना पड़ेगा।

इनका कहना है

बाढ आने पर बार बार डायवर्सन बह रहा है जिससे आने जाने में परेशानी होती है जबकि ठेकेदार द्वारा डायवर्सन अच्छे से बनाया जाना चाहिए।

- बसंत , सरपंच ग्राम पंचायत गोपालपुर

यातायात पुलिस की नई पहल

आवारा पशुओं के सींघ में लगा रहे रेडियम

डिंडौरी।

जिले में आवारा पशुओं की टक्कर से होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने नई पहल की है। अब आवारा पशुओं की सींग में रेडियम लगाया जा रहा है । यह रेडियम वाहनों की रोशनी पड़ते ही चमक उठेगा। इससे वाहन चालक सतर्क हो जाएंगे और हादसों पर विराम लगेगा। थानाधिकारी सुभाष उईके ने बताया कि हाइवे, मेन रोड, अवंती बाई चैराहा, कॉलेज स्टैंड, समनापुर तिराहा, मण्डला बस स्टैंड, कलेक्ट्रेट तिराहा, बस स्टैंड सहित अन्य मुख्य मार्गो पर रात में आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है जिससे आए दिन वाहन दुर्घटनाएं होती रहती है। इन दुर्घटनाओं में पशुओं के घायल होने के साथ ही वाहन चालक भी दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हैं। इसके अलावा भी कई बार रात्रि में पशु दौड़कर सड़क पर आ जाते हैं। जिससे दुर्घटनाएं हो जाती हैं। अंधेरा होने के कारण पशुओं का झुण्ड नजर नहीं आता इसलिए शहर एवं सड़कों व मुख्य मार्गो में विचरण करने वाले आवारा पशुओं के सींगों में रेडियम पट्टी चिपकाई जा रही है। पशुओं के रेडियम पट्टी लग जाने से वाहन चालकों को दूर से ही आवारा पशु नजर आ जाएँगे जिससे दुर्घटना नहीं होगी।

इनका कहना है

यातायात विभाग ने हादसे पर काबू पाने के लिए नई पहल शुरू की है। यातायात पुलिस रात में अभियान चलाकर आवारा पशुओं को पकड़ रहे हैं। इसके बाद उनकी सींग में रेडियम लगा रहे हैं। प्रयास किया जा रहा है कि आवारा पशुओं को गोशाला भेजवाया जाए। जो पटरी पर भटकते दिखाई पड़ रहे हैं, उनसे हो रहे हादसों पर काबू पाने के लिए सींग में रेडियम लगाया जा रहा है।

सुभाष उईके, यातायात

कैलेंडर के अनुरूप विद्यार्थियों का कराएं अध्ययन : कलेक्टर

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

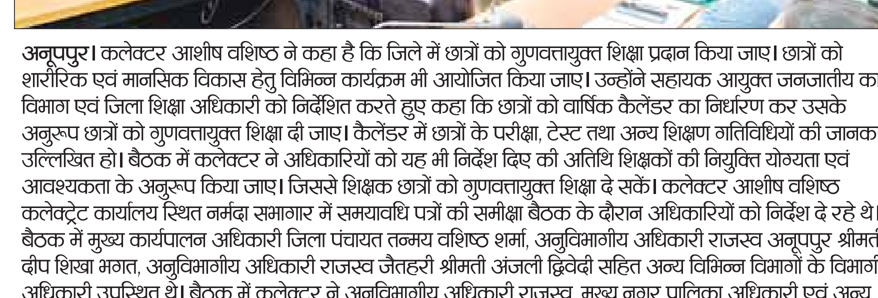

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कहा है कि जिले में छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान किया जाए। छात्रों को शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किया जाए। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्रों को वार्षिक कैलेंडर का निर्धारण कर उसके अनुरूप छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जाए। कैलेंडर में छात्रों के परीक्षा, टेस्ट तथा अन्य शिक्षण गतिविधियों की जानकारी उल्लिखित हो। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए की अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति योग्यता एवं आवश्यकता के अनुरूप किया जाए। जिससे शिक्षक छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा दे सकें। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित नर्मदा सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्रीमती दीप शिखा भगत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी सहित अन्य विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से जिले में संचालित अस्पताल एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों में निरीक्षण के दौरान फायर एनओसी के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देशित कियाप।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

खबर संक्षेप

सुनील सचिव, राजेंद्र सह सचिव चुने गए

नरसिंहपुर। गत दिवस वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ शाखा नरसिंहपुर के चुनाव नरसिंहपुर रेलवे अस्पताल में सम्पन्न हुए। जिसमें इटारसी से लेकर जबलपुर तक के सभी रेलवे कर्मचारियों ने एवं मंडल वा जोन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। चुनाव में मजदूर नेता सुनील जाट को निर्विरोध सचिव एवं राजेंद्र बैरागी को सह सचिव चुना गया। कर्मचारियों ने आशा जताई की कर्मचारियों के हित में और अधिक कार्य करे, इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष सी एम उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष एस एन शुक्ला, मंडल सचिव डी पी अग्रवाल, संघ के सरक्षक देवेंद्र शुक्ला कर्मचारी पदाधिकारी नेता मनोज जवार, नम्रता सोलंकी, कृपाल सिंह, मो आरिश खान एवं अन्य कर्मचारी नेता व बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

करंट लगने से युवक की हुई मौत

नरसिंहपुर। जिले के ठेमी थाना अंतर्गत मलाह पिपरिया निवासी चंदन पटेल पिता हेमराज पटेल उम्र 30 वर्ष को घर में बिजली का करंट लग गया था वहीं परिजन उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं अस्पताल चैकी पुलिस ने शव का पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग प्रकरण कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया हैं।

जहर के सेवन से युवक की मौत

नरसिंहपुर। महाराजपुर थाना अंतर्गत विवेक बंसल उम्र 24 वर्ष महाराजपुर पनारी निवासी युवक नरसिंहपुर जिले के बरमान अपने किसी काम से आया हुआ था वहीं सतधारा पुल के नीचे जहरीली दवा का सेवन कर किया और परिजनों को सूचना दी परिजन उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर आए जहां युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई वहीं अस्पताल चैकी पुलिस ने शव का पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बैल व गाय की मौत

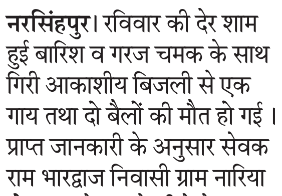

नरसिंहपुर। रविवार की देर शाम हुई बारिश व गरज चमक के साथ गिरी आकाशीय बिजली से एक गाय तथा दो बैलों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवक राम भारद्वाज निवासी ग्राम नारिया गोरखपुर के घर के पीछे पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से दो बैल एक गाय की मृत्यू हो गई जिसकी जानकारी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को दी गई।

सर्पदंश की बढ़ती है शिकायतें

तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ वरिष्ठ चिकित्सक डा रामेश्वर पटेल बताते हैं कि बरसात के दिनों में अक्सर कर सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती है। जंतुओं के बिलों में बरसात के दिनों में बरसाती पानी दरारों के माध्यम से भीतर जानें की स्थिति में विशैले जीव जंतु अक्सर कर अपना नया स्थान तलाशने यहां वहां भागते हैं।ऐसी स्थिति में अनेक सर्पदंश जैसी घटनाएं देखने को मिला करती है। पीड़ति पक्ष को चाहिए कि जिस स्थान पर सांप काटे उसके ऊपर नीचे तरफ एक कपड़ा बांध देना चाहिए कोशिश यह रहे कि खून की चाल बंद ना हो पाये बल्कि काटे गये स्थान से खून का संचार तीव्र ना हो। कोबरा फन वाले सांप के कांटने से अक्सर कर पीड़ति को चक्कर आने लगते हैं वेहोशी छाने लगती है।

बरसात के पूर्व नाले-नालियों की हो समुचित सफाई: कलेक्टर

नरसिंहपुर

सोमवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा कर निर्देशित किया कि नान अटेंडेंट शिकायत नहीं हो इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें। शिकायतों का समय सीमा में तत्परता से निराकरण किया जाये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार और अन्य जिला अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देश दिये गये।

नाले - नालियों की हो साफ- सफाई

कलेक्टर ने नगरीय विभाग की समीक्षा करते हुए विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को मिलने वाले हितलाभ की जानकारी ली। उन्होंने सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के पूर्व नाले- नालियों की समुचित साफ- सफाई की जाये, जिससे आबादी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। सभी नगरीय निकायों के सीएमएचओ यह सुनिश्चित करें कि विशेष परिस्थितियों के अलावा यात्री बस वाहन निर्धारित बस स्टॉफ पर ही रोकें जायें।

भवनों की हो मरम्मत

राज्य शासन के निर्देशानुसार खुले में मांस विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिले में मांस विक्रय दुकानें नियमानुसार संचालित हो। नियम के विरूद्ध संचालित दुकानों पर नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाये। स्कूलों की दीवारों पर शैक्षणिक, क्रांतिकारी, वैज्ञानिकों के चित्र बनवायें और अन्य निजी विज्ञापन दीवारों पर नहीं होने चाहिए। मानसून पूर्व शासकीय भवनों के डिस्मेंटल भवन एवं भवन मरम्मत कार्य की समीक्षा कर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिये। भवनों का डिस्मेंटल कर प्रमाण पत्र जमा करें। उन्होंने निर्माणाधीन व अधूरे पड़े आंगनबाड़ी भवन और भवन निर्माण की समीक्षा करते हुए विभाग से भवनविहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिये।

प्रकरणों का तत्परता से करें निराकरण

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि अतिक्रमण, बंटवारा आदि के प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की। श्रम विभाग द्वारा चाइल्ड केयर संबंधी जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि मजदूर पूरी किट के साथ कार्य करें। सीएमएचओ डॉ. राकेश बोहरे ने 25 जून से दस्तक अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर ने दस्तक अभियान के दौरान महिला बाल विकास व एनआरएलएम को सहयोग करने के लिए कहा। कलेक्टर ने सांख्यिकी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि पेंशनरों की सूची जारी कर ई-केवायसी के लिए कैंप लगाये जायें। संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि के आवेदनों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिंग उत्पीड़न (निवारण एवं प्रतिषेध व प्रतितोषण) अधिनियम 2013 एवं नियम 2013 के क्रियान्वयन के तहत सभी संस्थाओं में बोर्ड लगा होना चाहिये। अधिकारियों द्वारा इसका अवलोकन भी किया जाये।

बाजार से आ रही महिला को अज्ञात वाहन ने रौंदा, दोनों पैर हुए चरपट

नरसिंहपुर। जिले के सुआतला थाना अंतर्गत आने वाले गाँव भरखेड़ा निवासी दुर्गा बाई पति उत्तम चढ़ार उम्र 30 वर्ष अपने दो बच्चों के साथ राजमार्ग में बाजार से सामान लेकर घर जा रही थी तभी तेज रफ्तार से आ रहे। अज्ञात वाहन ने नेशनल हाईवे 44 के लोलरी तिगड्डे के सामने महिला को रौंदते हुए ड्राइवर फरार हो गया। महिला के दोनों पैर वाहन की चपेट में आने से चरपट हो गए। वहां मौजूद राहगीरों ने 108 एम्बुलेंस एवं डायल 100 को सूचना दी। लेकिन करीब पौन घंटे बीत जाने तक महिला घायल अवस्था में रोड पर तड़पती रही और दोनों बच्चे महिला के पास बैठे रहे। सूचना मिलने पर महिला का पति व परिजन भी आकर घायल के पास बैठ गए। लेकिन महिला को अस्पताल ले जाने के लिए 108 एम्बुलेंस आई न ही पुलिस। घटना स्थल से महज चंद दूरी पर सुआतला थाना है। लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस के मौके पर न पहुंचने के कारण जाम लगने लगा। कुछ देर बाद इवेंट पर बरमान चैकी से डायल 100 पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद 108 और एनएचआई की 1033 पहुंची। 1033 की मदद से महिला को करेली स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया। जहां से महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने जबलपुर रेफर कर दिया गया।

नरसिंह तालाब के जीर्णाद्वार की मांग सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। नरसिंह तालाब के जीर्णाद्वार सौंदर्यकरण व खेतों से पानी तालाब में लाने व अन्य कार्य कराने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इन कार्यों को करने की मांग की। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि नरसिंह मंदिर के पीछे नरसिंह तालाब में समय-समय पर प्रशासन द्वारा जीर्णाद्वार कार्य किये गये है। परंतु ये सभी कार्य पर्याप्त नहीं है इनमें लापरवाही व अनियमिता बरती गई। साथ ही नरसिंह तालाब में खेतों से पानी लाने के लिए कपूरी रेलवे फाटक से फोर लाइन कपूरी तिराहे पर फोर लाइन पर पानी निकासी के लिए पुलिया भी बनाई गई परंतु फोर लाइन पर तालाब में पानी लाने के लिए बनाई गई पुलिया के बाद अन्य कार्य नहीं हुये। जिसके कारण तालाब में पानी आना संभव नही है साथ ही अधिक बारिश होने पर पानी की निकासी न होने के कारण आसपास के खेतों में पानी भर जायेगा जिससे किसानों व रहवासियों को नुकसान होगा और परेशानी का सामना करना पडेगा। इस पुलिया निर्माण के बाद तालाब में पानी लाने के लिए शेष बचे कार्यो को अतिशीघ्र पूर्ण करवाया जाये साथ ही तालाब के किनारे हो रहे अतिक्रमण को हटाया जावे एवं तालाब के गहरीकरण व सौंदर्यकरण कार्य को करवाया जावे व मंदिर के समीप आधुनिक शौचालय का निर्माण करवाया जावे। क्योंकि मंदिर परिसर में रचनात्मक सांस्कृतिक व धाार्मिक कार्यक्रम होते रहते है मंदिर में श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में आना जाना लगा रहता है। उक्त मौके पर नीलेश जाट, लकी जाट, एसके चतुर्वेदी ,राजू विश्वकर्मा, सुधांशु चैधरी, पवन पाठक, नारायण महोबिया, अमित शुक्ला, समीर खान, अरुण शर्मा, गोपाल महाराज, नरेंद्र श्रीवास्तव, विनोद कोरी, लखन सोनी, सतीश दुबे, मनोज नोरिया, मंगल श्रीवास्तव, दिलावर पटेल, तुलसी नोरिया आदि मौजूद थे।

कार्यकर्ता ही मेरे लिए सर्वोपरि

नरसिंहपुर। होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चैधरी का सांसद बनने के बाद प्रथम बार भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय नरसिंहपुर आगमन हुआ जहां पर उन्होने बलिदान दिवस के अवसर पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ सर्वप्रथम डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं दीनदयाल उपाध्याय की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया तत्पष्चात जिला कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चैधरी ने कहा कि नरसिंहपुर जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों से मिले समर्थन एवं प्रचंड जीत के लिए कार्यकर्ताओं के आभार अभिनंदन हेतु आपके बीच आया हूं लेकिन आपके प्रति आभार प्रदर्शित कर सकूं इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं है। यह चुनाव मैंने नहीं आप सबने दर्शन सिंह बनकर लड़ा है चुनाव के दौरान मैं प्रत्येक मतदाता के घर नहीं जा पाया परंतु आप सबने कमल का फूल व मोदीजी को घर घर तक पहुंचाया था इसी का परिणाम यह विशाल जीत है। आज से मेरे साथ आप सभी कार्यकर्ता भी सांसद है। मैं तो एक कार्यकर्ता हूं और रहूंगा। कार्यकर्ता ही मेरे लिए सर्वोपरि है और कार्यकर्ता के सम्मान की रक्षा करना ही मेरा नैतिक दायित्व है। आप सभी ने यह चुनाव पूर्ण उत्साह उमंग व सुचित पूर्वक लडा। जिले की तीनों विधानसभा में समर्थन देकर लोकसभा चुनाव में जीत दिलाई है। इसके लिए मैं नरसिंहपुर क्षेत्र की देवतुल्य जनता व कर्तव्य निश्ठ कार्यकर्ताओं का सदैव आभारी रहूंगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉ. हरगोविन्द पटेल व आभार जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा ने किया इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, लखन पटैल सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, क्षेत्रीय जनता व कार्यकार्ताओं की उपस्थिति रही।

पशु अधिकार जागरूकता सप्ताह को लेकर सेमिनार आयोजित

करेली। रविवार को भारतीय पशु कल्याण बोर्ड बल्लभगढ़, हरियाणा के द्वारा पशु अधिकार जागरूकता सप्ताह के तहत 6 दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के शुभारंभ सत्र मे अध्यक्ष डा. ओ पी चौधरी, डा. एस के दत्ता सचिव भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने किया स श्रीमती अमला अक्किनेनी, संस्थापक अध्यक्ष, ब्लू क्रॉस, दक्षिण भारत में पशु अधिकारों के 6 दशक - लोग, संगठन, मुद्दे और चुनौतियाँ ,सुश्री अंजलि गोपालन, सदस्य, एडब्ल्यूबीआई ,ने व्यावहारिक पशु कल्याण मुद्दे, डॉ. मणिलाल वलिवेट, सदस्य, एडब्ल्यूबीआई ने भारत में पशु अधिकार परंपरा, संस्कृति और आधुनिक चुनौतियाँ। बिक्रम चन्द्रबंशी कानूनी सलाहकार भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड ने पशु कानूनों के संबध में जानकारी दी। पशु कल्याण संगठन के प्रतिनिधियों सहित भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि भागीरथ तिवारी आदि सहित बड़ी संख्या में पशु प्रेमियों ने सहभागिता दी।

जन शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

नरसिंहपुर। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी आदेश के परिपालन में दमोह जिले के जनशिक्षकों का बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान संबंधी पांच दिवसीय प्रशिक्षण डाइट नरसिंहपुर में 24 जून से 28 जून तक आयोजित किया जा रहा है। पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में दमोह जिले के 106 जन शिक्षकों को राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता ज्ञान पर विशेष ध्यान रखते हुए प्रदेश में कक्षा पहली, दूसरी और तीसरी के लिए मिशन अंकुर संचालित किया जा रहा है। नवीन अभ्यास पुस्तिकायें, पेडागाजिकल विकास के लिए तैयार शिक्षक संदर्शिका के विद्यालय स्तर पर सफल क्रियान्वयन के लिए जन शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डाइट प्राचार्य डॉ. एमएस खान व प्रशिक्षण प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान संबंधी हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित विषय पर जनशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में अंग्रेजी विषय में बीएसी मनीष कटारे, व्याख्याता डाइट शैलेश वर्मा, गणित विषय में सहायक प्राध्यापक डाइट आरके यादव, व्याख्याता डाइट डी के सेन व हिंदी विषय में व्याख्याता डाइट जीएल उप्रेलिया, बीएसी अरुण दुबे द्वारा प्रोजेक्ट के माध्यम से दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता के साथ प्रशिक्षित किया जा रहा है।

संक्रमित बीमारियों से बचने आरो का या उबला पानी पिएं

तेंदूखेड़ा- मानसूनी बारिश शुरू होते ही विभिन्न प्रकार की संक्रमण बीमारियां अपने पैर पसारने लगतीं हैं।जिसकी मुख्य बजह दूषित पानी होता है।अक्सर कर बरसात का पानी गंदगी को भी साथ बहाकर जल स्त्रोतों के इर्द-गिर्द जमा हो जाता है यही पानी हेंड पंपों के माध्यम से हमारे पीने या निस्तार में आ जाता है।जो शरीर में जाकर संक्रमित होकर प्रभाव बताने लगता है। ऐसे समय में बचाव की दिशा में चांवरपाठा विकास खंड में पदस्थ ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल जन जागरण की दिशा में बताते हैं कि 90प्रतिशत बीमारियों का जन्मदाता पानी ही है।हम पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी पीने लगेंगे तो हमारे आधे से ज्यादा बीमारी हमसे दूर हो जायेगी। फिर वायरल बुखार बगैरह तो दो से पांच दिन में दवाई सेवन से ठीक हो ही जाते हैं। बरसात के दिनों में उल्टी-दस्त आंव पेचिस की बीमारी अधिकांश देखने को मिला करती है जिसका मुख्य कारण केवल पानी ही है।

जल स्त्रोतों के पास पानी जमा ना होने दें

डा राजकिशोर पटेल बताते हैं कि बरसात के दिनों में जल स्त्रोतों के पास गंदा पानी गंदगी बिल्कुल जमा ना होने दें। उसके ठहराव की बजाय निकासी की व्यवस्था बनाए। ग्रामीण क्षेत्रो में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। ग्राम पंचायत के माध्यम से पानी के ठहराव को रोकने फिर नालियों की नियमित साफ सफाई की नितांत आवश्यकता है। जमा पानी और चोक नालियों से ही मच्छर पैदा होते है।इसी में अंडा देते हैं लार्वा से मच्छरों की पैदावार बड जाती है।जो डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों के रुप में पैर पसारती है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह नियमित रूप से साफ सफाई कराये तथा इन नालियों या जल भराव प्रदूषित पानी में एक दो ढक्कन जला हुआ आयल तेल जरुर डालना चाहिए। इससे लार्वा नष्ट हो जाता है।

उमरिया गांव मे धड़ल्ले से चल रहा सट्टे का कारोबार कोतवाली पुलिस एसपी के निर्देषों को दिखा रही धता

नरसिंहपुर। थाना क्षेत्र कोतवाली अंतर्गत आने वाले ग्राम उमरिया मे धड़ल्ले से सट्टे का कारोबार जारी है। गावं के भोले भाले व्यस्क तथा युवाओं को 1 के 80 के जाल मे फसाकर बर्बाद किया जा रहा है। सट्टे का कारोबार शहर से लेकर गांव -गांव तक घड़ल्ले से जारी है। जिसमे युवा, बुर्जुग एवं महिलायें भी इस खेल मे अपना भाग्य आजमाती रहती है। ग्रामीण क्षेत्र मे सट्टे की लत मे अधिकांश महिलायें भी शामिल होती जा रही है। जबकि सट्टे के इस गंदे खेल मे कई घर बर्बाद हो चुके है। वही प्रशासन द्वारा जानकारी के बाद भी समाज के इस गंदे खेल को बंद कराने के लिये पुलिस द्वारा कोई सार्थक कदम नही उठाया जा रहा है। पुलिस द्वारा कार्रवाई ना करना लोगो के मन में कई संदेहो को जन्म देती है। लोगो का कहना है कि उक्त अवैध कारोबार पुलिस की संरक्षण मे चल रहा है या फिर कारोबारी पुलिस से भी ज्यादा प्रभावशाली है जिसके कारण पुलिस समाज के इस गंदे खेल को बंद कराने मे हिचकिचा रही है। वही नगर के गांधी चैक क्षेत्र मे भी सट्टे का अवैध कारोबार चर्म सीमा पर जबकि उक्त कारोबार पुलिस चैकी बीट से महज 100 कदम की दूरी पर अनवरत चल रहा है। पुलिस द्वारा कार्रवाई ना करना सोचनीय विषय बना हुआ है। वही पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध व्यापार को सख्ती से बंद करने के निर्देश दिये गये है उसके बाद भी अवैध कारोबार पर अंकुश ना लग पाना उच्च अधिकरियों के निर्देशों को धता दिखाने सिद्ध हो रहा है। कोतवाली पुलिस को चाहिये की अवैध कारोबार मे लिप्त लोगो की धरपकड़ कर ठोस कार्रवाई करे जिससे लोगो को पुलिस कार्यप्रणाली पर संदेह ना हो एवं जनता का पुलिस पर विश्वास कायम रह सके।

स्थानीय परिवाद समिति के लिए आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण एवं प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) अधिनियम 2013 एवं नियम 1013 के क्रियान्वयन के तहत स्थानीय परिवाद समिति का गठन किया जाना है। समिति के लिए अध्यक्ष एवं सदस्य पद हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। ये आवेदन पात्र अभ्यर्थी सादे कागज में विज्ञापन प्रकाशित होने के 10 दिवस के भीतर कार्यालयीन समय में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर में व्यक्तिगत या डाक द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। स्थानीय परिवाद समिति के अध्यक्ष सदस्यों की नियुक्ति 3 वर्ष की अवधि के लिए होगी। अध्यक्ष पद के लिए सामाजिक कार्य के क्षेत्र में प्रसिद्ध एवं महिलाओं की समस्याओं के प्रति प्रतिबद्ध महिलायें, जो कम से कम पांच वर्ष का अनुभव रखती हों, आवेदन कर सकती हैं। दो सदस्य जिन्हें लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञता प्राप्त हो तथा इसमें समाज कार्य के क्षेत्र में कार्य सामाजिक कार्यकर्ता, जो महिलाओं के सशक्तिकरण एवं विशिष्टतरू कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की समस्या को दूर करने के लिए अनुकूल सामाजिक परिस्थितियों का मार्ग प्रशस्त करता है और ऐसा व्यक्ति जिसे श्रम रोजगार, सिविल या दांडिक विधि में अर्हता प्राप्त है, परंतु कम से कम एक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या केन्द्र सरकार द्वारा समय- समय पर अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय की महिला होगी, में से कोई सम्मिलित हो सकेगा। जिले में विकासखंड तहसील, वार्ड अथवा नगर पालिका में कार्यरत महिलाओं में से एक सदस्य नामांकित किये जायेंगे।

सबसे दुर्लभ है समक्ज्ञान-मुनिश्री निर्णय सागर

तेंदूखेड़ा- इस संसार में रुपया पैसा सोना चांदी हीरा मोती जमीन जायदाद आदि भौतिक वस्तुएं सुलभता से प्राप्त हो जाती है परंतु संसार में सबसे दुर्लभ है सम्यक ज्ञान है। सम्यक ज्ञान या समीचीन ज्ञान तभी प्राप्त हो सकता है जब हमारे ऋषि मुनियों के द्वारा लिखित शास्त्रों की शरण में जाएंगे उनका स्वाध्याय करेंगे। यह मन एक बंदर के समान है जैसे बंदर को सिखाया जाता है कि उसे वृक्षों की डालियां पर ही रहना है उसी में अपने मन को रमन है धरती पर आएगा तो खतरे में पड़ जाएगा। कुत्ते आदि जानवर पीछे पड़ जाएंगे। इसी प्रकार हमारा मन भी बंदर के समान है मन रूपी बंदर को यदि शास्त्र रूपी वृक्ष की डालियां में रमाये रखा जाए तो काम क्रोध अहंकार रूपी कुत्ते पीछे नहीं पड़ेंगे। शास्त्र का एक नाम सूत्र भी है सूत्र का अर्थ धागा भी होता है जैसे धागे सहित सुई कहीं खो जाती है तो उसे ढूंढना मुश्किल नहीं होता है इस प्रकार जो मनुष्य शास्त्र की शरण में रहता है शास्त्र के साथ जुड़ा रहता है तो वह संसार मे भटकता नहीं है। सम्यक ज्ञान समीचीन ज्ञान जहां से भी मिले उसे ग्रहण कर लेना चाहिए। उक्त आशय के उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की आज्ञा से तेंदूखेड़ा जैन मंदिर में विराजमान 108 मुनि श्री निर्णय सागर महाराज जी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये मुनि श्री ने आगे कहा कि शास्त्रों की बातें संतो का उपदेश जीवन की दशा और दिशा परिवर्तित कर सकती है। आज व्यक्ति अनेकों ऐसे प्रयोजनहीन अनर्थ के कार्य करता है जिनसे उसका कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होता है उल्टे भारी पाप का उपार्जन कर लेता है। यदि ऐसी व्यर्थ के कामों से अपना बचाव कर ले और जरूरी एवं आवश्यक कार्य ही करें तो पर्वत के बराबर पाप सरसों के दाने के बराबर सीमित रह जाएगा ,जैसे नहाने के लिए एक या दो बाल्टी पानी की जरूरत है परंतु हजारों लीटर पानी नहाने में बर्बाद कर देते हैं ,व्यर्थ में नल खोल छोड़ दिया जाता है ,सड़क पर व्यर्थ में पानी बहते रहते हैं। इससे पानी की व्यर्थ बर्बादी तो होती ही है अनंत जीवों की हिंसा के पाप का भी संचय होता है। इसी प्रकार बिना प्रयोजन के पंखे चलते रहते हैं, व्यर्थ में अग्नि जलाना , व्यर्थ में जमीन को खोदना ऐसे अनेकों अनर्थ पूर्ण कार्य हैं जिनको करते हुए बिना प्रयोजन के ही अनंत पापों का बंध हो जाता है